ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
ISSN No.: 2347-2944, RNI:UPBIL04292, REG. No.: 561/2013-2014 Vol.-2, No.-2, **PP-100-103**,YEAR-2015

जनपद फर्रूखाबाद में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप एवं पर्यावरण का एक भौगोलिक अध्ययन

❑ **डॉ0 अकालू प्रसाद चौरसिया**

अध्ययन क्षेत्र का परिचय– *अध्ययन क्षेत्र "फर्रूखाबाद जनपद, उ0 प्र0" जो आलू क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, में भी जनसंख्या वितरण प्रतिरूप एवं पर्यावरणीय प्रभाव के लक्षण विविध रूपों में परिलक्षित हो रहे हैं। यह जनपद भौगोलिक रूप से गंगा एवं राम गंगा नदियों की गोंद में 26° 46′ उत्तरी अक्षांश तथा 79° 07′ पूर्वी देशान्तर, 2,28,830 हेक्टेअर क्षेत्र पर 18,87,577 (वर्ष 2011) जनसंख्या के साथ विस्तृत, पुष्पित तथा फल्वित है। यह जनपद 03 तहसीलों, 07 क्षेत्र पंचायतों, 511 ग्रम पंचायतों, 1010 गावों (Villages), 13 थानों, 02 नगरपालिकाओं, 04 नगर पंचायतों एवं 01 छावनी परिषद से आच्छादित है। जनपद का मुख्यालय फतेहगढ़ में स्थित है। जो अन्य महानगरों कानपुर–125 किमी0, लखनऊ–196 किमी0, बरेली–126 किमी0 की दूरी पर राष्ट्रीय मार्ग सं0–02 एवं 29 A से संलग्न है।*

जनपद फर्रूखाबाद, गंगा के मैदानी व कक्षारी भाग तथा प्रमुख नदी गंगा जो सामान्यतः उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होती है तथा उसकी सहायक काली व राम गंगा नदियों के दोआब क्षेत्रों में, सामान्य ढाल एवं ऊबड़–खाबड़, लहरदार तथा भूड़ (Bhoor) युक्त, समुद्र तल से 167.64 मी0 की औसत ऊँचाई पर बलुई, बलुई–दोमट, जलोढ़ एवं भूरी मिट्टियाँ जो अधिकाधिक उपजाऊ हैं, के साथ फैला हुआ है। इस क्षेत्र की मिट्टियों का pH मान 6.5–7.5 है। यहाँ का औसत तापमान ग्रीष्म कालीन 27.93°C तथा शीत कालीन 15.23°C और औसत वार्षिक वर्षा 95.45 सेंमी0 है। मानव एवं पर्यावरण का पारस्परिक अटूट सम्बन्ध है जो मानव उद्विकास के समय से चलता आ रहा है। इसके साथ ही साथ धरातल तथा उसके समीपस्थ विद्यमान उन समस्त तत्वों, तथ्यों, एवं परिघटनाओं का क्रियात्मक सम्बन्ध है। इस प्रकार पर्यावरण, धरातल तथा उसके समीपस्थ मानव सहित उन सभी प्राकृतिक तत्व यथा–भूमि, मिट्टी, खनिज पदार्थ, जल एवं जलवायविक तत्वों, वनस्पतियों एवं वन्य जीवों, जन्तु एवं प्राणी वर्गों, मानवीय तत्वों तथा भूदृश्यों का समुच्चयिक एवं पारस्परिक क्रियात्मक सम्बन्ध है। उक्त तत्वों में मनुष्य एक प्रमुख बौद्धिक तत्व एवं प्राणी है जो अपनी कुशलता एवं बौद्धिकता से उन सभी प्राकृतिक तत्वों के साथ अन्तर्क्रिया करके उनके रंग, रूप, स्वरूप एवं गुण इत्यादि में परिवर्तन एवं सम्बर्धन करके उनका उपभोग एवं विविध प्रकार के भूदृश्यों (प्राथमिक एवं गैर–प्राथमिक आर्थिक क्रियात्मक) का निर्माण करता रहता है। जब मानव अपनी स्वार्थपूर्ण नीतियों एवं भावनाओं से प्राकृतिक तत्वों/खनिजों का विदोहन एवं उपयोग अन्धाधुन्ध करता रहता हैं। जिससे पर्यावरण का अवनयन होता जा रहा है। जिसका संरक्षण एवं सुरक्षा करना आवश्यक है।

उद्देश्य–

प्रस्तुत शोध प्रपत्र के उद्देश्य इस प्रकार हैं–

1. अध्ययन क्षेत्र के भौगोलिक स्वरूप की व्याख्या करना।
2. जनसंख्या के वितरण स्वरूपों का अध्ययन एवं विष्लेशण करना।
3. जनसंख्या वितरण का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का विवेचना एवं निराकरण करना।
4. भूमि, जल एवं मृदा संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभावों का आँकलन करना।

सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भूगोल विभाग, आर. पी. पी. जी. कालेज, कमालगंज–फर्रूखाबाद, (उ0 प्र0) भारत

5. उक्त समस्याओं के निराकरण सम्बन्धी उपायों का ढूँढ़ना।

जनपद फरूखबाद की जनसंख्या का वितरण भूस्वरूप के सापेक्ष अर्थात् असामान्य है। वर्ष 2001 में जनपद की सम्पूर्ण आबादी 15,70,408 थी जो 2011 में 18,87,577 हो गयी। विकासखण्डवार जनसंख्या निम्नवत् है–

जनपद फर्रूखाबादः विकासखण्डवार जनसंख्या, वर्ष 2001.

क्रमांक	विकासखण्ड	जनसंख्या	जनसंख्या (% में)	पुरूष जनसंख्या	स्त्री जनसंख्या
1	कायमगंज	2,25,673	14.37	1,22,829	1,02,844
2	नवाबगंज	1,39,371	08.88	75,826	63,545
3	शमसाबाद	1,87,491	11.94	1,01,175	86,316
4	राजेपुर	1,50,988	09.61	83,290	67,698
5	बढ़पुर	3,76,246	23.96	2,02,746	1,73,500
6	मोहम्मदापुर	2,42,807	15.46	1,31,214	1,11,593
7	कमालगंज	2,47,832	15.78	1,32,720	1,15,112
	योग	15,70,408	100.00	8,49,800	7,20,608

स्रोतः सी0 डी0, जनसंख्या वर्ष 2001.

उपर्युक्त सारणी के अवलोकनोपरान्त स्पष्ट है कि नवाबगंज एवं राजेपुर की आबादी सबसे कम है जिसका मुख्य कारण गंगा का बाढ़ क्षेत्र/कक्षारी है। जहाँ प्रतिवर्ष जलप्लवन से धन–जन की क्षति होती रहती है। जबकि बढ़पुर विकासखण्ड में गैर–प्राथमिक क्रियाओं के कारण जनबसाव अधिक है।

जनपद फर्रूखाबादः ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या, वर्ष 2001.

क्रमांक	विकासखण्ड	ग्रामीण जनसंख्या		नगरीय जनसंख्या	
		जनसंख्या	प्रतिशत में	जनसंख्या	प्रतिशत में
1	कायमगंज	1,85,966	15.13	39,707	11.63
2	नवाबगंज	1,39,371	11.34	–––	–––
3	शमसाबाद	1,63,895	13.34	23,596	06.91
4	राजेपुर	1,50,988	12.29	–––	–––
5	बढ़पुर	1,33,249	10.40	2,42,997	71.15
6	मोहम्मदाबाद	2,22,207	18.08	20,600	06.03
7	कमालगंज	2,33,188	18.98	14,644	0428
	योग	12,28,864	78.25	3,41,544	21.75

स्रोतः सी0 डी0 जनगणना, 2001.

जनपद में ग्रामीण एवं नगरीय आबादी का वितरण विषम है। क्योंकि जहाँ एक तरफ बढ़पुर विकास खण्ड सर्वाधिक नगरीय आबादी वाला है, वहीं दूसरी तरफ नवाबगंज तथा राजेपुर विकास खण्ड नगरीय आवादी से अछूता है। हलाँकि यहाँ भी गैर–प्राथमिक क्रियाओं से आबादी आच्छादित है किन्तु विडम्बना ही है कि इन्हें नगरीकरण की श्रेणी में नहीं रखा गया है।

जनसंख्या घनत्व– किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में जनसंख्या का घनत्व, एक निश्चित भू–भाग पर क्षेत्र/घटक एवं जनसंख्या के मध्य अनुपात को प्रदर्शित करता है। जन घनत्व भूमि पर जनसंख्या के भार को प्रदर्शित करता है तथा जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ घनत्व में भी वृद्धि होती रहती है। जिससे जन दबाव बढ़ता जाता है, परन्तु यदि जनसंख्या घनत्व गुणात्मक है, तो वह जनदबाव बढ़ने की श्रेणी में नहीं आयेगा। जनपद का जनघनत्व भूस्वरूप एवं आर्थिक क्रियाओं के

सापेक्ष प्रभावित होता रहता है। बढ़पुर विकास खण्ड जनपद का सर्वाधिक घना–बसा क्षेत्र है,

जनपद फर्रूखाबादः ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या, वर्ष 2001

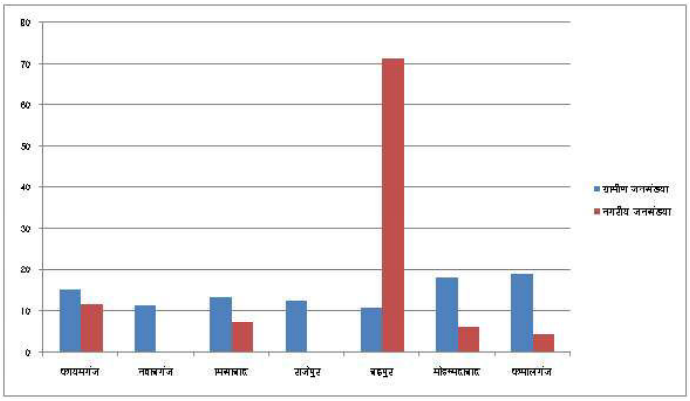

जिसका मुख्य कारण नगरीकरण है। जबकि कटरी क्षेत्र होने के कारण कायमगंज क्षेत्र सर्वाधिक बिरल है। जनपद स्तर पर वर्ष 2001 (7 व्यक्ति/हेक्टेअर) की अपेक्षा वर्ष 2011 (9 व्यक्ति/हेक्टेअर) में 02 व्यक्ति/हेक्टेअर की वृद्धि हुई है। यह जनघनत्व विविध रूपों यथा गणितीय, कार्यिक, पौष्टिक इत्यादि में विद्यमान हैं।

जनपद फर्रूखाबाद में विभिन्न प्रकार के जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी), वर्ष 2001.

क्रमांक	विकास खण्ड	क्षेत्र (वर्ग किमी0)	सामान्य	ग्रामीण	भू–आकृतिक	कृषिगत	कैलोरिक	पौष्टिक
1	कायमगंज	502.60	449	332	620	166	890	619
2	नवाबगंज	229.80	606	606	605	166	749	521
3	शमसाबाद	349.70	536	319	535	155	790	586
4	राजेपुर	320.00	472	471	421	157	608	476
5	बढ़पुर	137.90	2773	607	2712	222	1541	2501
6	मोहम्मदाबाद	404.20	576	402	577	165	728	524
7	कमालगंज	344.10	720	459	753	183	851	604

जनपद फर्रूखाबादः विविध जनघनत्व, वर्ष 2001.

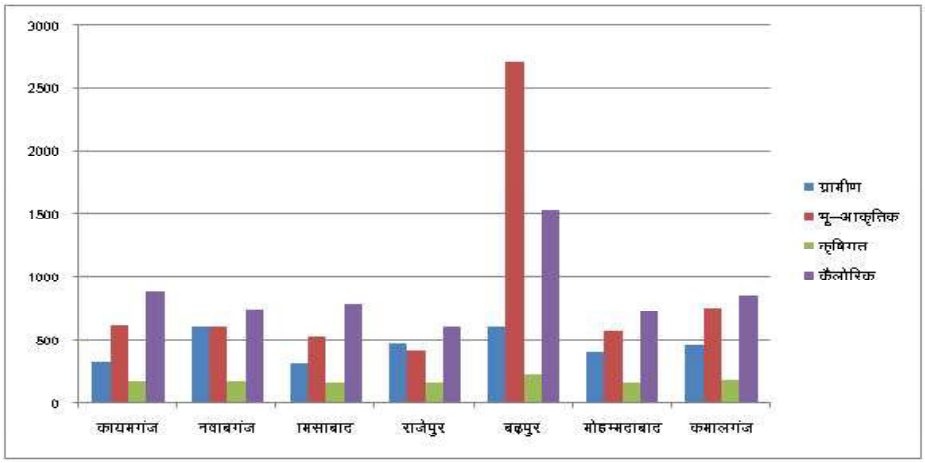

जनसंखा एवं पर्यावरण गुणवत्ता में सापेक्षिक सम्बन्ध होना आवश्यक है, परन्तु यह उनकी सघनता पर निर्भर करता है। उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि जनपद के जनघनत्व में विषमतायें पायी गयी हैं। कुछ विकासखण्डों यथा बढ़पुर का जनघनत्व सर्वाधिक 2773 व्यक्ति/वर्ग किमी. तथा न्युनतम् 459 व्यक्ति/किमी. है। जिसका मुख्य कारण सामान्य ढालुवा एवं उपजाऊ भूमि, यातायात की सुलभता, नदी जल एवं उत्तम कक्षारी मिट्टियों उपलब्धता, सांस्कृतिक पहलुओं की विद्यमता इत्यादि हैं। इसी क्रम में इसका प्रभाव वातावरण पर विभिन्न रूपों में परिलक्षित होता है। जनपद का नगरीय क्षेत्र खास तौर पर फर्रूखाबाद व फतेहगढ़ जो जिला मुख्यालय तथा विभिन्न नगरपंचायें है, जो विविध जनदबावों यथा– यातायात, विपणन, सुरक्षात्मक व संरक्षात्मक रूप में, अपराधों, शिक्षा, पेय व खाद्य समस्या एवं दूषणता इत्यादि विविध रूपों एवं मानकों में विद्यमान हैं। इसके निदानात्मकता हेतु शासन/प्रशासन व जनसमूह को विविध रूपों में स्वच्छ मन, तन एवं भाव से सक्रिय होना आवश्यक ही नहीं बल्कि अपेक्षिक होगा, जिससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों स्वच्छ, सुन्दर एवं सतत् विकासशील रहेगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1–भारत का भूगोल, चतुर्भुज ममोरिया।
2–भारत का भूगोल, माजिद हुसैन।
3–भारत का भूगोल, अलका गौतम एवं वी0 एस0 चौहान।
4–भारत का प्रादेषिक भूगोल, प्रो0 आर0 एल0 सिंह।
5–इंटरनेट सेवा।

*****